मूल्य 1 रु.
वर्ष: 10 - अंक : 241, मुंबई, शुक्रवार, 4 दिसंबर, 2020 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादक: दिलशाद एस. खान

दैनिक मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®

अब हर सच होगा उजागर

॥शुभ लाभ॥
MIX MITHAI

• मोतीचूर लड्डू • काजू कतरी • काजू रोल
• बदाम बर्फी • मलाई पेड़े • रसगुल्ले
MM MITHAIWALA
Malad (W) Tel. : 288 99 501

नहीं रहे मसालों के बादशाह एमडीएच वाले महाशय धर्मपाल

हार्ट अटैक से निधन

संवाददाता

नई दिल्ली। देश की दिग्गज मसाला कंपनी महाशिया दी हट्टी (एमडीएच) के मालिक महाशय धर्मपाल जी का निधन हो गया है। स्वर्गीय गुलाटी ने अपनी कंपनी के जरिए भारतीय मसालों की पहचान पूरी दुनिया में दिलाई थी। सुबह 5.38 पर उन्होंने अंतिम सांस ली। वह 98 साल के थे। कोरोना से ठीक होने के बाद हार्ट अटैक से उनका निधन हुआ। व्यापार और उद्योग में उल्लेखनीय योगदान देने के लिए पिछले साल उन्हें राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने पद्मभूषण से नवाजा था। वह अपनी कंपनी के सीईओ थे और 25 करोड़ उनकी सैलरी थी।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

15 दिसंबर से जनता के लिए शुरू हो सकती है मुंबई

LOCAL TRAIN

सरकार कर रही है विचार

संवाददाता

मुंबई। मुंबईकरों को महाराष्ट्र सरकार जल्द ही लोकल ट्रेन में यात्रा करने का तोहफा दे सकती है। मुंबई की लाइफ लाइन कही जाने वाली लोकल ट्रेन आम जनता के लिए कब शुरू की जाएगी यह सवाल सभी लोगों के मन में था। लेकिन अब उम्मीद है कि मुंबईकरों को आगामी 15 दिसंबर से लोकल ट्रेन में यात्रा करने की अनुमति मिल सकती है।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

लोकल ट्रेनों में यात्रा के लिये वकीलों को दी गई अनुमति की अवधि बढ़ाई गई

रेलवे अधिकारियों ने अदालतों में प्रैक्टिस कर रहे वकीलों और अधिवक्ताओं के पंजीकृत क्लर्कों को दी गई मुंबई विशेष उपनगरीय ट्रेनों में यात्रा करने की अनुमति की अवधि को 'अगले परामर्श तक' बढ़ा दिया है। इससे पहले 26 अक्टूबर को अधिकारियों ने कोविड-19 के चलते केवल जरूरी सेवाएं प्रदान करने वाले कर्मचारियों के लिये चलाई जा रहीं लोकल ट्रेनों में वकीलों को यात्रा की अनुमति दे दी थी। उन्हें 23 नवंबर तक इनमें यात्रा करने की अनुमति दी गई थी। मध्य रेलवे और पश्चिम रेलवे ने अनुमति की अवधि बढ़ाने की घोषणा की।

हवाई यात्रियों के लिए राहत

घरेलू उड़ानों की संख्या में सरकार ने किया इजाफा

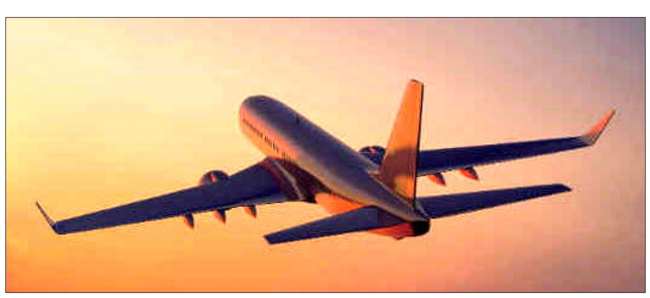

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने कोरोना काल में हवाई यात्रियों के लिए राहत प्रदान की है। नागर विमानन मंत्री हरदीप पुरी ने गुरुवार को कहा कि भारतीय विमानन कंपनियों के लिए घरेलू उड़ान संचालन संख्या को कोविड से पहले के स्तर के मुकाबले 70 प्रतिशत से बढ़ाकर 80 प्रतिशत कर दिया गया है। मंत्री ने 11 नवंबर को कहा था कि विमानन कंपनियां कोविड से पहले के स्तर के मुकाबले 70 प्रतिशत घरेलू यात्री उड़ानों का संचालन कर सकती हैं। हरदीप पुरी ने गुरुवार को ट्वीट किया, घरेलू परिचालन 25 मई को 30,000 यात्रियों के साथ शुरू हुआ और अब 30 नवंबर 2020 को इसने 2.52 लाख का आंकड़ा छू लिया है।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

वैक्सीन से खुशी

वैक्सीन का इंतजार खत्म होने वाला है। कोरोना वैक्सीन फाइजर/ बायोएनटेक को ब्रिटेन ने मंजूरी दे दी है और वह ऐसा करने वाला दुनिया का पहला देश बन गया है। अगले सप्ताह से यह वैक्सीन ब्रिटेन में उपलब्ध होने लगेगी। वैक्सीन तब आई है, जब दुनिया भर में 6.4 करोड़ से ज्यादा मरीज संक्रमित हो चुके हैं। इस वैक्सीन को 95 प्रतिशत कारगर बताया जा रहा है और इससे कोरोना संक्रमण रोकने का काम आधिकारिक रूप से शुरू हो जाएगा। पहले दौर में उन लोगों को वैक्सीन का लाभ दिया जाएगा, जो स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े हैं और ज्यादा जोखिम उठा रहे हैं। ब्रिटेन ने इस वैक्सीन की चार करोड़ खुराक तैयार करने का आदेश दे रखा है और दो करोड़ लोगों को खुराक दी जा सकेगी। एक व्यक्ति को कोरोना से बचाने के लिए दो खुराक की जरूरत पडेगी। ब्रिटेन के बाद अब निगाहें अमेरिका की ओर हैं, जहां अगले सप्ताह वैक्सीन पर फैसला होना है। संभावना है, वहां एक ही साथ एकाधिक वैक्सीन के इस्तेमाल को मंजूरी मिलने वाली है। हमारी दुनिया के लिए यह ऐतिहासिक क्षण है, जब किसी बीमारी के विरुद्ध वैक्सीन बनाने में बमुश्किल दस महीने का समय लगा है। इसके लिए विज्ञान और चिकित्सक बिरादरी के प्रति जितना आभार जताया जाए, कम होगा। हालांकि, इस संकटमोचक बिरादरी का काम अभी खत्म नहीं हुआ है, वैक्सीन के असर को लगातार परखना होगा, ताकि उसे ज्यादा से ज्यादा कारगर बनाया जा सके। जब उपचार में तीन–चार प्रकार की वैक्सीन का प्रयोग होगा, तब लोग जानना चाहेंगे कि कौन सी वैक्सीन सबसे कारगर है और इसके अलावा लोगों को वैक्सीन के किफायती होने की उम्मीद भी रहेगी। वैक्सीन के आने की सुखद आहट के असर जीवन के विविध क्षेत्रों में दिखने लगे हैं। दिसंबर का महीना है और भारत की शान आईआईटी में प्लेसमेंट का पहला दौर भी शुरू हो गया है, जो 8 दिसंबर तक चलेगा। एक अमेरिकी कंपनी ने एक छात्र को रिकॉर्ड 1.54 करोड़ रुपये का पैकेज ऑफर किया है। प्लेसमेंट के पहले दिन भारतीय कंपनियों ने भी 80 लाख रुपये सालाना का पैकेज प्रस्तावित किया है। पहले दिन प्रस्तावित नौकरियों के आधार पर अगर देखें, तो पिछले वर्ष की तुलना में न सिर्फ 20 प्रतिशत नौकरियां ज्यादा हैं, बल्कि पैसे भी 20 प्रतिशत ज्यादा प्रस्तावित किए जा रहे हैं। पिछले साल औसतन 60 लाख तक के पैकेज प्रस्तावित हुए थे और इस बार प्रस्ताव 80 लाख रुपये सालाना तक पहुंच गए हैं। कोरोना के समय में इतने बडे पैमाने पर नौकरी व वेतन-भत्ते का प्रस्ताव उत्साहवर्द्धक है। आशंका थी कि इस बार नौकरियों व अच्छे पैकेज का टोटा पड़ेगा, पर अब जब वैक्सीन की आहट सुनाई पड़ने लगी है, तब कंपनियों का विश्वास भी बढ़ा है। वैक्सीन के आने से पूरे आर्थिक जगत में सकारात्मक माहौल बन रहा है। वैसे यह गौर करने की बात है कि सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में कोरोना के समय भी बढ़त और मांग की स्थिति बनी रही है। बेशक, शुरुआती आंकडे उत्साहजनक हैं। प्लेसमेंट के जब अंतिम आंकड़े आएंगे, तब हमें समझने में आसानी होगी कि सूचना प्रौद्योगिकी के अलावा अर्थव्यवस्था के अन्य क्षेत्रों इलेक्ट्रॉनिक, मैकेनिकल, सिविल इत्यादि में नौकरी व पैकेज की क्या स्थिति है। सभी क्षेत्रों में नौकरी व पैकेज बढे, तो ही दुनिया के लिए असली खुशखबरी होगी।

इस्लाम में मियां बीवी के अहकाम

(मुफ्ती सद्दाम हुसैन कासमी)

संवाददाता/सैय्यद अल्ताफ हुसैन

इस्लाम ने जो सामाजिक व्यवस्था स्थापित की है, वह आपसी भाईचारे और आपसी प्रेम और स्नेह पर आधारित है और सामाजिक व्यवस्था में मूल महत्व पति-पत्नी के संबंधों पर है। पति-पत्नी के बीच संबंध सही होने के कारण ही कोई भी समाज मजबूत और स्थिर हो सकता है। इंसान का न केवल एक व्यक्तिगत जीवन होता है, बल्कि वह स्वभाव से एक सामाजिक स्वभाव वाला प्राणी है, उसका अस्तित्व केवल परिवार के सदस्य और समाज के किसी व्यक्ति के रूप में पाया जाता है। लेकिन समाज और परिवार के निर्माण में मूल इकाई पति और पत्नी हैं। जिनके एक दूसरे पर कुछ अधिकार रखें गए हैं!

अल्लाह तआला पवित्र कुरान में फरमाता हैः और औरतों का हक है मर्दों पर जैसा कि मर्दों का औरतों पर (सूरत अल-बकराहः 228) इससे बेहतर कोई संविधान नहीं है और अगर इस व्यापक मार्गदर्शन के आलोक में विवाहित जीवन जिया जाता है, तो इस रिश्ते में कड़वाहट कभी नहीं आएगी ! यह आयत हमें बताती है कि पत्नी को केवल नौकरानी न समझें, बल्कि यह याद रखें कि उसके कुछ अधिकार भी हैं, जिनकी शरीयत में पासदारी बनाए रखा जाना चाहिए। इन अधिकारों में भोजन और आवास का प्रावधान शामिल है। उसकी दया और आराम का ध्यान रखना भी महत्वपूर्ण है। इसीलिए पैगंबर (सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम) ने फरमाया कि तुम्हारे बीच में सबसे अच्छा आदमी वह है जो अपने परिवार (यानी पत्नी और बच्चों) की नजर में अच्छा है। दूसरी ओर इस हदीस में अपनी पत्नी को यह भी सूचित किया कि उसे भी अपना हुकूक अदा करने है। कोई भी पत्नी तब तक पसंद नहीं की जाती है। जब तक वह अपने हुकूक को अदा करके अपने पति को खुश न कर दे।

पति की कुछ महत्वपूर्ण जिम्मेदारियाँ, यानी पति के ऊपर पत्नी के अधिकार

पूर्ण महर का भुगतानः अल्लाह तआला फरमाता है महर का भुगतान महिलाओं को स्वेच्छा से करें। (सूरत अल-निसा ': 4).

पत्नी और बच्चों का सारा खर्चः अल्लाह फरमाता है शौहर पर बीवी का नान नफ्का व कपड़ा लाजिम है(सूरह अल बकरा 232), नबी (सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम) ने फरमायाः जब औरतों की बात हो तो अल्लाह से डरो, क्योंकि तुम उन्हें अल्लाह तआला की अमान में ले गए हो। (मुस्लिम)

पत्नी के लिए आवास की व्यवस्था करनाः अल्लाह तआला फरमाता है 'इन महिलाओं को जहाँ भी आप अपनी क्षमता के अनुसार

रहते हैं। रखो' (सूरत एत-तालाकः 6) यह आयत बताती है कि तलाकशुदा महिलाओं के आवास की व्यवस्था करने के लिए भी पति जिम्मेदार है। जब शरीयत ने तलाकशुदा महिलाओं के आवास के लिए पति को जिम्मेदार बनाया है, तो पत्नी के उचित आवास की जिम्मेदारी पहले पति की होगी।

पत्नी पर दया करनाः पति को अपनी पत्नी के साथ अच्छा व्यवहार करना चाहिए। अल्लाह तआला फरमाता है उनके साथ अच्छा व्यवहार करो, अर्थात उनके साथ दया से पेश आओ। हो सकता है जिसे आप अपने लिए कुछ बुरा जानते हो संभव है अल्लाह इसे बहुत अच्छा बना देगा (सूरत अल-निसा ': 19)।

पत्नी की कुछ महत्वपूर्ण जिम्मेदारियाँ, अर्थात पत्नी के ऊपर पति के अधिकार

पति की आज्ञाकारिताः अल्लाह तआला कुरआन में कहता हैः पुरुष महिलाओं पर पहरेदार हैं, क्योंकि अल्लाह ने उनमें से कुछ को दूसरों पर श्रेष्ठता दी है, और इसलिए भी (क्योंकि) पुरुष (उनके ऊपर) धन खर्च करते है, इसलिए गुणवान पत्नियां पति की अनुपस्थिति में अल्लाह की सुरक्षा के साथ आज्ञाकारी, रखवाली (हिफाजत) करती हैं। (सूरत-ए-निसा ': 34), नबी (सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम) ने फरमायाः अगर कोई औरत (खासतौर पर) पांच वक्त नमाज अदा करती है, रमजान के महीने के रोजा रखती है, और अपने शर्मगाह की हिफाजत करती है और अपने पति की बात मानती है, मानो वह जन्नत में है।

एक महिला पैगंबर की सेवा में आई कहा कि महिलाओं के एक समूह ने मुझे उनसे एक सवाल पूछने के लिए भेजा था और वह यह था कि अल्लाह तआला ने पुरुषों को लड़ने की आज्ञा दी थी। इसलिए अगर उन्हें जिहाद में नुकसान पहुंचाया जाता है, तो उन्हें इसके लिए पुरस्कृत किया जाता है, और अगर वे शहीद हो जाते हैं, तो उन्हें अल्लाह के विशेष सेवकों में गिना जाता है कि वे मृत्यु के बाद अल्लाह से यहां जीवित हैं। उन्हें विशेष प्रावधान दिया गया है (जैसा कि सूरह अल-इमरान 169 में उल्लेख किया गया है) हम महिलाएं उनकी सेवा करती हैं, हमारे लिए क्या इनाम है?

नबी (सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम) ने फरमायाः जिन महिलाओं को आपने भेजा है कि अपने पति की बात मानें और उनके अधिकारों को स्वीकार करें, अल्लाह के रास्ते में आपके लिए जिहाद जैसा है, लेकिन आप में से कुछ महिलाएँ इस ज़िम्मेदारी को बखूबी निभाती हैं। (तबरानी)

पति के धन और सम्मान की रक्षाः अल्लाह तआला फरमाता है 'जो महिलाएं गुणवान होती हैं, वे अपने पति का पालन करती हैं, और अल्लाह के गुण से, गुणवान महिलाएं अपने पति की अनुपस्थिति में अपनी और अपने पति की संपत्ति की रक्षा करती हैं।' वह खुद या अपने पति की संपत्ति के साथ विश्वासघात नहीं करती है। (सूरत-ए-निसा ': 34), अल्लाह के रसूल ने फरमायाः क्या मैं तुम्हें एक आदमी का सबसे अच्छा खजाना नहीं बताऊं? वह एक अच्छी औरत है। जब उसका पति उसे देखता है, तो उसे खुश करना चाहिए। यदि वह यात्रा पर निकलता है, तो उसे उसकी संपत्ति और अपनी इज्जत की हिफाजत करनी चाहिए। (अबू दाऊद, निसाई), पति की संपत्ति की सुरक्षा यह है कि पत्नी को पति की अनुमति के बिना पति की कोई संपत्ति नहीं लेनी चाहिए और उसे अपनी अनुमति के बिना किसी को भी नहीं देना चाहिए। हाँ! यदि पति वास्तव में पत्नी के खर्चों को कम करता है, तो पत्नी पति की अनुमति के बिना संपत्ति ले सकती है और बच्चों के खर्चों को पूरा कर सकती है। जैसा कि नबी (सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम) ने हिन्द बिंत उतबाह से कहा कि जब उसने अपने पति अबू सुफयान के अधिक कंजूस होने की शिकायत कीः तो फरमाया उतना ले लिया करो जितना धन आपके और आपके बच्चों के औसत खर्च के लिए है। घर के आंतरिक मामलों को चलाना और बच्चों की परवरिशः यह महिलाओं की प्राथमिक जिम्मेदारी है, जिसे उन्हें पूरा करना है। महिलाओं को इस जिम्मेदारी को पूरा करने में कोई कसर नहीं छोड़नी चाहिए, क्योंकि यह जिम्मेदारी सही है। ऐसा करने से परिवार, साथ ही और दोनो जहानं मे बच्चों के लिए कामयाबी का जरिया बनेगी । पैगंबर (सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम) ने फरमाया एक औरत अपने पति के घर में एक अभिभावक और जिम्मेदार होती है और उससे उसके बच्चों की तालीम के बारे में पूछा जाएगा। बुखारी मुस्लिम)

कुछ सामान्य अधिकार और जिम्मेदारियाँ

हमें यथासंभव सुख और आराम प्राप्त करने और दुःख दूर करने के लिए एक-दूसरे का सहयोग करना चाहिए। लोगों के सामने एक-दूसरे के रहस्यों का उल्लेख नहीं किया जाना चाहिए। पैगंबर (सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम) ने फरमाया अल्लाह की नजर में, सबसे दुर्भाग्यपूर्ण वह व्यक्ति होगा जो अपनी पत्नी के रहस्य को दूसरों के सामने प्रकट करता है। (मुस्लिम)

अपने परिवार को जहन्नम की आग से बचाने के लिए संयुक्त प्रयास करें। अल्लाह तआला ने फरमायाः तुम जो विश्वास करते हो! अपने आप को और अपने परिवार को आग से बचाएं जिसका ईंधन इंसान और पत्थर होंगें जिस पर फरिश्ते मुकर्रर हैं, जो अल्लाह के आदेशों की अवज्ञा नहीं करते हैं, लेकिन वे करते हैं जो उन्हें करने की आज्ञा है। (सूरत-ताहिरमः 6)

जब उपरोक्त वाकिया का पता चला, तो हजरत उमर फारूक पवित्र पैगंबर (सल.) की सेवा में आए और कहा, 'हम खुद को जहन्नम की आग से बचा सकते हैं, लेकिन हमें अपने परिवारों के साथ क्या करना चाहिए?' फरमाया : उन्हें बुराई से दूर रखो और जो अच्छा है उसे जारी रखो। इंशाअल्लाह, यह कार्रवाई उन्हें जहन्नम से बचाएगी! एक कहावत है कि पति और पत्नी एक कार के दो पहियों की तरह हैं। अगर एक पहिया टूट जाता है, तो कार नहीं चल पाएगी। शादी एक मजबूत बंधन है। शादी के केवल तीन शब्द आपके पूरे जीवन को बदल देते हैं और आप अपने पति या पत्नी के नाम पर सब कुछ नाम कर देते हैं। लेकिन ऐसा मजबूत बंधन एक बहुत ही नाजुक डोर से बंधा होता है और यह डोर किसी की लापरवाही, जल्दबाजी और मूर्खता से टूट सकती है। इसलिए, इस रिश्ते के विकास के लिए विश्वास, सच्चाई और ईमानदारी आवश्यक है। अकेले प्यार से काम नहीं चलता है, यह रिश्ता केवल धैर्य, दृढ़ता और धीरज के साथ बनाए रखा जा सकता है। यह रिश्ता प्यार की तरह ध्यान और सम्मान की मांग करता है। यह एक दूसरे पर विश्वास ही है जो रिश्ते को काबिले इश्क बनाता है, जबकि संदेह का मामूली बीज रिश्ते को बर्बाद कर सकता है! एक शौहर के लिए बीवी को अपनी जिंदगी का हमसफर बनाने के लिए उसकी गलतियों को माफ करने के अलावा कोई रास्ता नही! एक बीवी के लिए अपने शौहर की पूरी जिंदगी अपनाने के लिए उसकी फरमांबरदारी के अलावा कोई तरीका नही! अल्लाह पाक दोनो को रास्ता दिखाने वाला है !

मुंबई की तंग गलियों में बाइक से आग बुझाएगी फायर ब्रिगेड

जल्द बेड़े में शामिल होंगी आधुनिक बाइक्स, 13 लाख की है एक बाइक

मुंबई। मुंबई में आग लगने पर अक्सर फायर ब्रिगेड के कर्मचारी और उनकी टीम को खासी मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। खासतौर पर मुंबई की सक्रिय और तंग गलियों में जहां फायर ब्रिगेड की गाड़ियां नहीं पहुंच पाती और आग बुझाने में काफी दिक्कत का सामना करना पड़ता है। ऐसी ही तंग गलियों में अब मुंबई फायर ब्रिगेड के कर्मचारी और अधिकारी बाइक के जरिए आग को बुझाने का प्रयास करेंगे। मुंबई फायर ब्रिगेड के बेड़े में जल्द ही ऐसी हाईटेक फायर बाइक की एंट्री होने वाली है जो तंग गलियों में जाकर आग बुझाएगी। मुंबई फायर ब्रिगेड के बेड़े में जल्दी ही 24 हाईटेक फायर बाइक शामिल होंगी। एक बाइक की कीमत 13 लाख रुपए होगी। इसके पहले भी दमकल विभाग ने बाइक फाइटर बाइक्स को लाने का प्रयास किया था। तब उन्हें बाइक पर आग बुझाने के उपकरण लगाने की अनुमति नहीं मिली थी। इस आधुनिक बाइक पर सभी उपकरण लगाने के बाद परिवहन विभाग से परमिशन लेनी होगी। इस फायर फाइटिंग बाइक में दोनों तरफ पानी के छोटे टैंक लगे होंगे। साथ ही इनबिल्ट इंजन और स्प्रेयर वाटर टैंक से पानी खींचने में सक्षम होगा। बाइक पर ही पानी की सुविधा है तो मुंबई की तंग गलियों में पम्प को पीछे लेके जाने की जरूरत नहीं होगी। एक बाइक पर दो दमकल कर्मी बैठ सकते हैं।

रोबोट भी बुझा रहा है आग: मुंबई फायर ब्रिगेड पहले से ही रोबोट की मदद आग बुझाने के लिए ले रहा है। इसकी मदद से भीषण आग को काफी सहूलियत होती है। कंप्यूटर की मदद से रोबोट भीतर की भयावहता को बता देता है। जिसके बाद फायर ब्रिगेड कर्मी उसी हिसाब से आग बुझाने का प्रयास करते हैं। रोबोट की सफलता को देखते हुए 15 करोड़ की मदद से अब दो और रोबोट भी लाये जाएंगे।

मालेगांव ब्लास्ट केस: साध्वी प्रज्ञा समेत चार आरोपी अदालत में पेश नहीं हुए

संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र के शहर मालेगांव में वर्ष 2008 में हुए ब्लास्ट मामले में मुंबई की विशेष एनआईए अदालत में गुरुवार को सुनवाई हुई। इस दौरान, अदालत के आदेश के बावजूद आरोपी साध्वी प्रज्ञा ठाकुर समेत चार आरोपी अदालत में पेश नहीं हुए। हालांकि, मालेगांव ब्लास्ट केस में अन्य आरोपी लेफ्टिनेंट कर्नल प्रसाद पुरोहित, समीर कुलकर्णी और अजय रहीरकर अदालत में पेश हुए। मालेगांव विस्फोट मामले में मुंबई की विशेष एनआइए अदालत ने गुरुवार को सभी आरोपियों को अगली तारीख 19 दिसंबर को पेश होने के निर्देश दिए। दरअसल, विशेष एनआईए अदालत के न्यायाधीश पीआर सितरे ने भाजपा सांसद प्रज्ञा सिंह ठाकुर और लेफ्टिनेंट कर्नल प्रसाद पुरोहित समेत सभी आरोपियों को गुरुवार को अदालत में पेश होने का निर्देश दिया था, लेकिन भोपाल की सांसद और मालेगांव ब्लास्ट केस में आरोपी साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर, रिटायर्ड मेजर रमेश उपाध्याय, सुधाकर दिवेदी और सुधाकर चतुर्वेदी अदालत में नहीं पहुंचे। प्रज्ञा की ओर से पेश हुए वकील प्रशांत मग्गू ने कहा, 'हमने अदालत को बताया कि आज

के हालात में यात्रा और परिवहन बड़ा मसला है और सभी आरोपी आना चाहते थे, लेकिन इतने कम समय में वे नहीं आ सके।' बचाव पक्ष के वकीलों ने अदालत को बताया कि इस मामले के कुछ आरोपी उत्तर भारत में रहते हैं और तमाम प्रतिबंधों के कारण वहां से यात्रा करके आने में कम से कम 8 दिन लगेंगे। अदालत ने सभी पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अब सभी आरोपियों को 19 दिसंबर को पेश होने का आदेश दिया है। इसी बीच एक गवाह को अदालत में लाया गया। गवाह संख्या 124 के तहत ये वह व्यक्ति है, जिसने 2008 में विस्फोट के बाद वहां मौजूद था। इस गवाह से सवाल-जवाब किए गए। हालांकि, बचाव पक्ष के वकीलों ने उससे कोई सवाल नहीं पूछा। गवाह ने कहा कि यदि उसे क्रॉस एक्जामिनेशन के लिए वापस अदालत आना है, तो उसके लिए एक आवास की व्यवस्था करने की जरूरत होगी। दो आरोपियों को छोड़कर, साध्वी प्रज्ञा सहित अन्य आरोपियों के वकीलों ने 2000 रुपये नकद जमा किए और इसे गवाह को देने के लिए अदालत को सौंप दिया। 4 दिसंबर को गवाह का क्रॉस एक्जामिनेशन होगा। बता दें कि प्रज्ञा ठाकुर पिछले साल जून में अदालत में पेश हुई थीं।

बीएमसी कर्मचारी ने मास्क पहनने को कहा तो तीन महिलाओं ने पीटा

मुंबई। मुंबई नगर निकाय की 27 वर्षीय एक महिला कर्मचारी को कथित तौर पर तीन महिलाओं ने फुटपाथ पर लगाई जाने वाली टाइल उठाकर मारा और पीटा क्योंकि कर्मचारी ने उनसे मास्क पहनने को कहा था। एक पुलिस अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि घटना बुधवार को हुई जिसके बाद तीनों आरोपी महिलाओं को गिरफ्तार कर लिया गया। पीड़िता, बृहन्मुंबई महानगर पालिका (बीएमसी) की कर्मचारी है और वह अपने दल के साथ भांडुप रेलवे स्टेशन के आसपास मास्क न लगाने वालों पर जुर्माना लगा रही थी। इस दौरान कर्मचारी ने मोतीबाई वाड़ी क्षेत्र में 28 वर्षीय एक युवती को बिना मास्क के देखा और उससे मास्क लगाने को कहा। लेकिन युवती बिफर गई और उसने अपशब्द कहना शुरू कर दिया। अधिकारी ने बताया कि युवती ने कथित तौर पर बीएमसी कर्मचारी के सिर टाइल उठाकर दे मारी। उन्होंने कहा कि 40 और 50 वर्ष की उम्र की दो अन्य महिलाओं ने भी आरोपी के साथ मिलकर बीएमसी कर्मचारी को कथित तौर पर पीटा। पीड़िता के सहकर्मियों ने उसे घायल अवस्था में मुलुंड स्थित अस्पताल पहुंचाया। अधिकारी ने कहा कि बाद में पीड़िता के सहकर्मियों ने भांडुप पुलिस थाने में आरोपी महिलाओं के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराई। भांडुप पुलिस थाने के निरीक्षक दीपक मयेकर ने कहा, हमने तीन महिलाओं को गिरफ्तार कर लिया है और घटना की जांच कर रहे हैं।

(पृष्ठ 1 का शेष)

नहीं रहे मसालों के बादशाह एमडीएच वाले महाशय धर्मपाल

98 साल के गुलाटी अपने मसालों का विज्ञापन खुद ही करते थे। गुलाटी का जन्म 27 मार्च, 1923 को सियालकोट (पाकिस्तान) में हुआ था। 1947 में देश विभाजन के बाद वह भारत आ गए। तब उनके पास महज 1,500 रुपये थे। भारत आकर उन्होंने परिवार के भरण-पोषण के लिए तांगा चलाना शुरू किया। फिर जल्द ही उनके परिवार के पास इतनी संपत्ति जमा हो गई कि दिल्ली के करोल बाग स्थित अजमल खां रोड पर मसाले की एक दुकान खोली जा सके। इस दुकान से मसाले का कारोबार धीरे-धीरे इतना फैलता गया कि आज उनकी भारत और दुबई में मसाले की 18 फैक्ट्रियां हैं। इन फैक्ट्रियों में तैयार एमडीएच मसाले दुनियाभर में पहुंचते हैं। एमडीएच के 62 प्रॉडक्ट्स हैं। कंपनी उत्तरी भारत के 80 प्रतिशत बाजार पर कब्जे का दावा करती है। धरमपाल गुलाटी अपने उत्पादों का ऐड खुद ही करते थे। अक्सर आपने उन्हें टीवी पर अपने मसालों के बारे में बताते देखा होगा। उन्हें दुनिया का सबसे उम्रदराज ऐड स्टार माना जाता था।

15 दिसंबर से जनता के लिए शुरू हो सकती है लोकल ट्रेन

बीएमसी कमिश्नर इकबाल सिंह चहल ने इन बात के संकेत दिए हैं कि महाराष्ट्र सरकार इसपर विचार कर रही है। मुंबई शहर में कोरोना मरीजों की संख्या में दोबारा इजाफा होने की वजह से लोकल ट्रेन में सभी को यात्रा की अनुमति नहीं दी गई थी। महाराष्ट्र सरकार ने राज्य में आने वाले सभी यात्रियों के लिए कुछ कड़े प्रतिबंध लगाए हैं। जिनका पालन करना सभी के लिए अनिवार्य है। यह प्रतिबंध कोरोना महामारी के बढ़ते असर को देखते हुए लगाए गए हैं। सरकार ने राज्य में आने वाले हर व्यक्ति के लिए कोरोना टेस्ट की नेगेटिव रिपोर्ट का होना अनिवार्य किया है। इस रिपोर्ट के बाद ही उन्हें राज्य में प्रवेश दिया जाएगा। मुंबई में भी तमाम यात्री रेल और हवाई जहाज के जरिए आते हैं। ऐसे में उनके लिए यह रिपोर्ट लाना जरूरी है। वरना मुंबई में उन्हें एंट्री नहीं मिलेगी। अब रेलवे स्टेशनों पर भी कोरोना की जांच को शुरू किया गया है। फिलहाल मुंबई में कोरोना नियंत्रण में है। कोरोना की दूसरी लहर आएगी या नहीं यह पुख्ता तौर पर नहीं कहा जा सकता है। लेकिन बीएमसी ने दूसरी लहर के लिए अपनी तैयारियां शुरू कर दी हैं। शहर में पर्याप्त संख्या में बेड उपलब्ध करवाए जाने की तैयारी पूरी कर ली गई है। बीएमसी ने लोगों से भी सावधान रहने की अपील की है ताकि कोरोना के मामलों को बढ़ने से रोका जा सके। मुंबई शहर में मास्क ना पहनने वालों पर कार्रवाई शुरू है। बावजूद इसके लोग मास्क नहीं पहन रहे हैं जबकि कोरोना का खतरा अभी भी बना हुआ है। ऐसे में बीएमसी प्रशासन ने लोगों को वसूले गए फाइन के पैसों से मास्क खरीद कर देने का भी फैसला किया है। कोरोना की वैक्सीन आने पर लोगों को उसके वितरण के लिए अभी से ही तैयारियां शुरू हैं और लिस्ट बनाने का काम किया जा रहा है।

हवाई यात्रियों के लिए राहत

उन्होंने कहा, नागर विमानन मंत्रालय अब घरेलू परिचालकों के लिए कोविड से पहले के मुकाबले संचालन की स्वीकृत क्षमता को 70 प्रतिशत से बढ़ाकर 80 प्रतिशत तक करने की अनुमति दे रहा है। मंत्रालय ने कोरोना वायरस महामारी के चलते लागू लॉकडाउन के चलते दो महीने बाद 25 मई से अनुसूचित घरेलू यात्री सेवाओं को फिर से शुरू किया था। हालांकि, उस समय विमानन कंपनियों को अपनी कोविड-पूर्व घरेलू उड़ानों की संख्या के 33 प्रतिशत से अधिक का संचालन करने की अनुमति नहीं थी और फिर इसे क्रमिक रूप से बढ़ाया गया। भारत से दूसरे देशों में आने-जाने वाली अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर 31 दिसंबर तक प्रतिबंध जारी है। हालांकि, वंदे भारत मिशन के तहत उड़ान भरने वाले विमानों पर कोई पाबंदी नहीं है। इससे पहले सरकार ने 30 नवंबर तक इंटरनेशल फ्लाइट्स पर बैन लगाया था, जिसे हाल ही में बढ़ाकर 31 दिसंबर तक कर दिया गया है। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) के एक सर्कुलर के मुताबिक, महामारी के मद्देनजर 31 दिसंबर तक अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को निलंबित कर दिया गया है और विमान केवल चुनिंदा मार्गों पर ही केस-टू-केस आधार पर उड़ान भरेंगे।

सरकार के भरोसे पर किसानों को भरोसा नहीं

चौथी बैठक में भी नहीं बनी बात

सरकार भरोसा दिला रही और किसान कानून वापस लेने पर अड़े

संवाददाता

नई दिल्ली। कृषि कानूनों के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे किसानों ने गुरुवार को सड़क जाम कर दी। ऐसा ही कुछ केंद्र के साथ उनकी बातचीत में भी हुआ। बात तो 7 घंटे चली, लेकिन कई मुद्दों पर अवरोध बरकरार है। सरकार ने कृषि कानूनों के खिलाफ आंदोलन कर रहे किसानों से गुरुवार को चौथे दौर की बातचीत की। करीब 7 घंटे चली इस बैठक के बाद भी कोई ठोस नतीजा नहीं निकला। बैठक के बाद कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने किसानों को भरोसा दिलाया कि मिनिमम सपोर्ट प्राइज (एमएसपी) को छुआ नहीं जाएगा। इसमें कोई बदलाव नहीं होगा। एक्ट के प्रावधानों में किसानों को सुरक्षा दी गई है। उनकी जमीन की लिखा-पढ़ी कोई नहीं कर सकता। हालांकि, किसान अपनी मांग पर अड़े रहे। उन्होंने कहा कि कानून खत्म करने के लिए संसद का विशेष सत्र बुलाया जाए। मसला इकलौते एमएसपी का नहीं, बल्कि कानून पूरी तरह वापस लेने का है। भारतीय किसान यूनियन के प्रवक्ता राकेश टिकैत ने कहा कि केवल एक नहीं, बल्कि कई मसलों पर बातचीत होनी चाहिए। केंद्र और किसानों के बीच अब पांचवें दौर की बातचीत 5 दिसंबर को होगी।

सरकार की चाय या खाना मंजूर नहीं

किसानों का रवैया ऐसा था कि बातचीत के दौरान लंच ब्रेक हुआ तो उन्होंने अपने साथ लाया खाना ही खाया। कहा– सरकार का चाय या खाना मंजूर नहीं। 1 दिसंबर की मीटिंग में भी किसानों को सरकार की तरफ से चाय ऑफर की गई तो उन्होंने कह दिया था कि चाय नहीं, मांगें पूरी कीजिए। आप धरनास्थल पर आइए, आपको जलेबी खिलाएंगे।

किसानों के समर्थन में प्रकाश सिंह बादल की अवॉर्ड वापसी

पंजाब के पूर्व उट और अकाली दल के नेता प्रकाश सिंह बादल (92) ने किसानों के समर्थन में पद्म विभूषण लौटा दिया है। बादल को 2015 में ये अवॉर्ड मिला था। बादल की पार्टी शिरोमणि अकाली दल 22 साल से एनडीए के साथ थी, लेकिन कृषि कानूनों के विरोध में सितंबर में गठबंधन से अलग हो गई थी। इससे पहले 17 सितंबर को हरसिमरत कौर बादल ने भी मोदी कैबिनेट से इस्तीफा दे दिया था। उधर, शिरोमणि अकाली दल (डेमोक्रेटिक) के प्रमुख और राज्यसभा सांसद सुखदेव सिंह ढींढसा ने भी पद्म भूषण अवॉर्ड लौटाने का ऐलान किया है।

शिरडी में ड्रेस कोड: साईं मंदिर प्रशासन के नोटिस से बढ़ा विवाद, तृप्ति देसाई ने दी चुनौती

मुंबई। महाराष्ट्र के शिरडी में स्थित साईं बाबा मंदिर के प्रशासन ने एक नोटिस लगाकर भक्तों से अपील की है कि वे मंदिर में दर्शन के लिए छोटे कपड़ों को पहनकर ना आएं। वे भारतीय परिधानों में ही बाबा के दर्शन के लिए आएं। इस ड्रेस कोड को लेकर अब विवाद शुरू हो गया है। दरअसल, सामाजिक कार्यकर्ता तृप्ति देसाई ने मंदिर प्रशासन को चुनौती देते हुए कहा है कि अगर 10 दिसंबर तक नोटिस नहीं हटाया जाता है, तो वो खुद ही इसे हटा देंगी। तृप्ति देसाई ने कहा, साईं बाबा मंदिर के प्रशासन द्वारा नोटिस लगाना गलत है। अगर ये नियम लागू रहता है तो ऐसा देश के अन्य मंदिरों में भी हो सकता है। इसके बाद वहां पर चेंजिंग रूम की व्यवस्था करनी पड़ेगी, जहां भारतीय परिधानों को किराए पर दिया जाएगा। इससे भक्तों के साथ लूट होने की संभावना है। देसाई ने कहा कि मंदिर प्रशासन की तरफ से जारी नोटिस में छोटे कपड़ों को लेकर कोई व्याख्या नहीं की गई है, क्योंकि अगर ऐसा है तो मंदिर के पुजारी भी अर्ध-नग्न वस्त्रों को धारण करते हैं, ऐसे में उन पर भी ये नियम लागू होता है। तृप्ति देसाई ने कहा, मैं मंदिर प्रशासन को चुनौती देती हूं कि अगर नोटिस को बोर्ड से 10 दिसंबर तक नहीं हटाया गया तो मैं खुद जाकर हटा दूंगी। दरअसल, महाराष्ट्र के शिरडी में स्थित साईं बाबा के भक्त उनके दर्शन के लिए दुनियाभर से यहां पहुंचते हैं, लेकिन अब शिरडी साईं मंदिर संस्थान ने दर्शन के लिए आने वाले सभी भक्तों से अपील की है कि वे भारतीय परिधान (कपड़े) पहनकर आएं।

शिवपाल यादव ने सपा में विलय से किया इनकार

लखनऊ। प्रगतिशील समाजवादी पार्टी प्रमुख शिवपाल यादव ने सपा में विलय से इनकार करते हुए कहा कि एक सीट दिए जाने की बात मजाक है। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी 21 दिसंबर को मेरठ के सिवालखास में विशाल रैली कर विधानसभा चुनाव अभियान की शुरूआत करेगी। वह चुनाव में

रथयात्रा भी निकालेंगे और पदयात्रा भी करेंगे। उन्होंने सांसद असदुद्दीन ओवैसी व पूर्व मंत्री ओमप्रकाश राजभर की पार्टी के साथ तालमेल का संकेत दिया। शिवपाल यादव ने गुरुवार को पत्रकारों से बातचीत में कहा कि उन्होंने कई बार कोशिश की, समाजवादी धारा के सभी लोग एक मंच पर आएं और एक ऐसा तालमेल बनें जिसमें सभी को सम्मान मिल सके। जहां तक समाजवादी पार्टी का प्रश्न है, अब तक मेरे इस आग्रह पर पर कोई सकारात्मक प्रतिक्रिया नहीं आई है और न ही इस विषय पर मेरी समाजवादी पार्टी के नेतृत्व से कोई बात हुई है।

टिपू सुल्तान मार्किट का प्रचार प्रसार करे मुस्लिम यूथ लीग की सभी दुकानदारों और क्षेत्र वासियों से हर प्रतिष्ठान में जाकर की अपील

स्थानीय जि एम बननातवाला मार्ग वलगाव रोड ट्रांसपोर्ट नगर के सामने मनपा मार्किट का नामकरण 2015 की आमसभा में किया गया था आम सभा में सर्वसम्मति से इस मार्किट का नाम हजरत टिपू सुल्तान मार्किट रखा गया बावजुद ईस मार्किट मे प्रतिष्ठान के संचालको द्वारा दुकान के फलक बैनर विजीटिंग कार्ड बिलबुक पर हजरत टिपु सुल्तान मार्किट दिखायी नहीं दे रहा है। अंग्रेजो के खिलाफ जंग छेडने वाले हजरत टिपू सुल्तान (रअ) कि जिवनी से नई पिढी परिचित हो ईसके लिये टिपु सुल्तान मार्किट का प्रचार प्रसार करे ऐसी सलाह प्रतिष्ठान के संचालको को मुस्लिम युथ लिग युथ ईकाई ने दी, हजरत टिपु सुल्तान रअ यौमे पैदाईश के मौके पर युथ लिग के पदाधिकारियों व कार्यकरताओ ने मार्केट कि दुकान मे जाकर नामकरण की जानकारी देते हुए यह अपील कि के दुकान के फलक विजीटिंग कार्ड बिलबुक पर मार्किट का नाम हजरत टिपू सुल्तान मार्किट लिखे यौमे पैदाईश के अवसर पर मुस्लिम युथ लिग ने मार्केट पर टिपू सुल्तान मार्किट लगाया विदीत हो कि 2014 विधी समिती मे सदस्य के रुप मे रहिमा बी जब थी, उस समय इस मार्किट का नाम टिपू सुल्तान मार्किट रखा जाए ऐसा प्रॉस्ताव पारित किया गया था। 2015 की आमसभा मे सर्व सम्मति से ईस प्रस्ताव को हरी झंडी दिखाई गई। बावजुद मार्किट का नामकरण नहीं किया गया जिसे लेकर मुस्लिम युथ लिग के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओ ने हजरत टिपु सुल्तान के यौमे पैदाईश पर मार्किट के उपर मे हजरत टिपु सुल्तान मार्किट लिखा हुआ फलक लगाया गया। इस दौरान युथ लिग के महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष पूर्व नगर सेवक ईमरान अशरफि, शहर अध्यक्ष नदिम अहमद, शेख ईमरान भाई जि, ईसरार आलम, सलमान खान (एटीएस), इरशाद पठान, अजहर भाई, ईरफान खान, अब्दुल राज़िक, हाफिज सईद, मतिन राज, अब्दुल वसिम, मोहसिन खान, मोबिन अहमद, शेख फरहान, आदि उपस्थित थे।

रजनीकांत की राजनीति में एंट्री

31 दिसंबर को करेंगे पार्टी का ऐलान

संवाददाता

चेन्नई। दक्षिण भारतीय फिल्मों के सुपरस्टार रजनीकांत ने आखिरकार नई पार्टी बनाने का एलान कर दिया है। पार्टी को जनवरी में लॉन्च किया जाएगा। इसके संबंध मे 31 दिसंबर को घोषणा की जाएगी। यह जानकारी रजनीकांत ने ट्वीट के जरिए दी है। अगले साल अप्रैल-मई महीने में तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव होने हैं। इससे पहले रजनीकांत का सक्रिय राजनीति में उतरना काफी अहम माना जा रहा है। सुपरस्टार ने साफ-सुथरी राजनीति का वादा करते हुए स्पष्ट रूप से कहा कि उनकी पार्टी 2021 में विधानसभा चुनाव लड़ेगी और विजयी होगी। उन्होंने विश्वास जताया कि उनकी संभावित पार्टी लोगों के भारी समर्थन के साथ चुनाव जीतने में सक्षम होगी। 69

साल के अभिनेता ने ट्वीट कर कहा, आगामी विधानसभा चुनावों में साफ-सुथरी राजनीति का उदय निश्चित रूप से होगा। उन्होंने कहा कि पार्टी लॉन्च से संबंधित मामलों की घोषणा 31 दिसंबर को की जाएगी। इससे पहले सोमवार को रजनीकांत ने चेन्नई में अपने समर्थकों के साथ गहन विचार मंथन किया था। समर्थकों के साथ बैठक के बाद उन्होंने कहा था कि वे राजनीति में प्रवेश करने के बारे में अपने निर्णय से जल्द से जल्द अवगत करवाएंगे। रजनीकांत ने कहा था कि उन्होंने 'रजनी मक्कल मंद्रम' (आरएमएम) के जिला सचिवों से मुलाकात कर राजनीति में प्रवेश की संभावना पर चर्चा की है। पिछले महीने अभिनेता ने संकेत दिया था कि लंबे समय से राजनीति में आने का इंतजार और भी लंबा हो सकता है। कथित रूप से रजनीकांत द्वारा अक्तूबर में लिखा गया एक पत्र सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था, जिसमें उन्होंने अपने स्वास्थ्य को लेकर डॉक्टरों की चिंता का हवाला दिया था।

बुलढाणा हलचल

पानी के लिए दाभा के बुलडाणा जिला परिषद के सामने महिलाओं का धरना-प्रदर्शन

बुलडाणा। मोतला तालुका के दाभा में जल आपूर्ति योजना में दोषों को सुधार कर पानी की आपूर्ति को सुचारू किया जाना चाहिए।ग्राम सेवक के खाते की जांच की जानी चाहिए और उसे तत्काल निलंबित किया जाना चाहिए।डाभा की महिलाओं के साथ ग्रामीणों ने 2 दिसंबर को यहां जिला परिषद के परिसर में धरना दिया।उनके बयान के अनुसार, मोती तालुका के डाभा में 75 लाख रुपये की जलापूर्ति योजना 4 साल पहले पूरी हो चुकी है। परंतु ईस योजना में खामियों के बावजूद, इस योजना को भ्रष्टाचार के माध्यम से ग्राम पंचायत द्वारा जब्त कर लिया गया था। इसलिए इस योजना पर लाखों रुपये

खर्च करने के बाद भी आज तक गाँव को पानी उपलब्ध नहीं कराया गया है। नतीजन, पानी की कमी का खामियाजा ग्रामीण भुगत रहे हैं। साथ ही पानी की आपूर्ति योजना में त्रुटियों को समाप्त करके जल आपूर्ति को सुव्यवस्थित किया जाना चाहिए। यह भी मांग की गई है कि ग्राम सेवक को निलंबित किया जाए।इस आंदोलन में रुपाली राऊत, निर्मला कचोरे, सुनिता तागडे , सुनंदा हुखंड , लता सपकाळ, शोभा पव्हणे, नंदा वखरे, सुलभा हागे, संगीता सुरुशे, मुक्ता हंबड, शारदा सपकाळ , संगीता सुखशे, वंदा पव्हणे, लता राऊत, मंगला हागे, मंगला कचोरे, ज्योती कचोरे रेखा हुंबड यांच्यासह प्रविण गायकवाड, तांगडे, गजानन तांगडे, प्रसाद तांगडे, विजय गुंड, संजय सुरगडे, सदानंद हागे, श्रीराम अवचार, मुरलीधर राऊत, रामचंद्र कचोरे, उत्तम बावस्कर, दिलीप हुबळ, दिलीप कचोरे ईन के साथ महिलाएं और ग्रामीण भी मौजूद थे।

बुलडाणा जिले कोरोना का उतार चढ़ाव जारी, 44 पॉजिटिव मिले तो 26 निगेटिव

बुलडाणा। जिले में कोरोना का उतार-चढ़ाव जारी है। पिछले दो दिन से पचास से नीचे नए रोगी मिलने से कुछ राहत बनी हुई है। गुरुवार को जहां 44 पॉजिटिव रोगी मिले, वहीं 26 रोगियों की रिपोर्ट निगेटिव मिली। इस तरह अब तक कुल संक्रमित रोगियों की संख्या 11 हजार 433 तक पहुंच गई। आज स्वास्थ्य विभाग की ओर से नियमत जारी बुलेटिन के मुताबिक 450 लोगों की जांच रिपोर्ट मे से 406 लोगों की रिपोर्ट नेगेटिव आई है। जबकि 44 लोग कोरोना संक्रमित पाए गए हैं। आज ज़िले मे सफल उपचार के बाद 26 लोग घर लौट गए है। प्राप्त सकारात्मक रिर्पोटों में प्रयोगशाला से 36 रिपोर्ट और रैपिड टेस्ट से 8 रिपोर्ट शामिल हैं। नकारात्मक रिपोर्ट में 306 प्रयोगशाला रिपोर्ट और 100 रैपिड टेस्ट रिपोर्ट शामिल हैं। इस प्रकार 406 रिपोर्ट नकारात्मक थे। साथ ही आज तक77003 रिपोर्ट निगेटिव आई हैं। इसी प्रकार अब तक 10860 कोरोना संक्रमित रोगियों को चिकित्सीय प्रोटोकॉल के अनुसार छुट्टी दी गई है क्योंकि वे कोरोना नकारात्मक हैं। इस तरह से डिस्चार्ज होने वाले मरीजों की कुल संख्या 10860 है.साथ ही कोविड परीक्षण के लिए 1123 स्वाब नमूने प्रतिक्षा में हैं। अब तक, नकारात्मक रिपोर्ट की कुल संख्या 77003 है। जिले में आज कुल 11433 कोरोना प्रभावित रोगी हैं, जिनमें से 10860 कोरोना संक्रमित रोगियों को चिकित्सा प्रोटोकॉल के अनुसार छुट्टी दे दी गई है क्योंकि उन्होंने

कोरोना पर काबू पा लिया है। जिले में फिलहाल अस्पताल 437कोरोना संक्रमित रोगियों का इलाज कर रहा है। डिप्टी कलेक्टर दिनेश गीते ने कहा कि अब तक 136 कोरोना पीड़ितों की मौत हो चुकी है।

रामपुर हलचल

भारतीय किसान संस्था के संस्थापक एवं पूर्व विधान सभा प्रत्याशी अ० गफूर इंजी० ने किसानों की समस्याओं को लेकर सरकार से आग्रह करते हुए निस्तारण किये जाने की मांग की

संवाददाता/नदीम अख्तर

टाण्डा रामपुर। भारतीय किसान संस्था के संस्थापक एवं पूर्व विधान सभा प्रत्याशी अ० गफूर इंजी० ने किसानों की समस्याओं को लेकर सरकार से आग्रह करते हुए निस्तारण किये जाने की मांग की गई है पूर्व विधान सभा प्रत्याशी अ० गफूर इंजी० ने कहा कि किसान अब तक लाकडाउन की समस्या के चलते अनेकों प्रकार समस्याओं से जूझता चला आ रहा था किसानों पर होने वाले जुल्मों की इन्तहा बंद से बत्तर होकर रह गई है किसान की इस समय की आर्थिक स्थिति काफी कमजोर एवं बेकार होकर रह गई है किसान अपने खेती के काम में लाये जाने वाले पदार्थ जैसे डीजल,खाद,व कीटनाशक आदि बहुत सारी सामग्रियों का प्रयोग अपनी आर्थिक स्थिति कमजोर होने के चलते नहीं कर पा रहा है किसान भुखमरी की कगार पर है किसानों की समस्याओं को लेकर सरकारों द्वारा उनका कोई निस्तारण नहीं किया जा रहा है जो अब किसानों के बर्दाश्त लायक नहीं है सरकार से अपील की जाती है कि किसानों की सभी समस्याओं का निस्तारण समय स्थिति को देखते हुए किये जाने की मांग की गई है जिसके चलते किसानों की आर्थिक स्थिति में सुधार पैदा हो सके।

भब्बलपुरी निवासी आरिफ का साउथ अफ्रीका देश के बदमाशों ने मारी गोली, मौत

संवाददाता/नदीम अख्तर

टाण्डा रामपुर। टाण्डा युवक नगर के मोहल्ला भब्बलपुरी निवासी 25 वर्षीय आरिफ साउथ अफ्रीका केपटाउन में रह कर मोबाइल की दुकान चलाता था साथ में उसके दो भाई अतीक अहमद व शफीक अहमद भी पिछले लगभग काफी समय से अपनी दुकान चला रहे थे साउथ अफ्रीका देश के बदमाशों ने उसको गोली मारकर घायल कर दिया गया जिसकी मौत हो गई मौत की खबर जैसे ही मृतक के घर वालों को लगी उसके परिवार के लोगों व रिश्तेदारियो में कोहराम मच गया शव को घर लाने के प्रयास जारी थे लेकिन तैयारियों के बाबुजूद शव को घर लाया गया बाद नमाजे.ईशा शव को ईद गाह कब्रिस्तान में दफन कर दिया गया है जवान मौत के होने पर नगर वासियों सहित तमाम नेता गणों आदि ने इसाले सबाब पहुंचाकर जन्नत में अच्छा से अच्छा मुकाम मिले दुआयें की गई है।

खुले में ट्रांसफार्मर रखने की वजह से कभी भी हो सकता है हादसा

टाण्डा रामपुर। नगर के मुख्य बाजार सदर बाजार के अन्दर मुख्य मार्ग के दोनों साइडों पर जगह-जगह रखें हुए हैं ट्रांसफार्मर, ट्रांसफार्मरों की आड़ में अतिक्रमण कारी उठा रहे हैं फायदा, ट्रांसफार्मरों से ही गम्भीर हादसा होने का बना रहता हैं खतरा गम्भीर स्थिति को देखते हुए नहीं किया जा रहा है कोई भी अम्ल ट्रांसफार्मरों को हटाये जाने का कार्य है बाधित नगर के मुख्य बाजार के अन्दर बिजली के ट्रांसफार्मरों की काफी भरमार है खुले में ट्रांसफार्मर रखें जाने के साथ साथ कभी भी किसी भी समय गम्भीर हादसा उत्पन्न होने का खतरा मण्डराता नजर आ रहा है इसी की आड़ में फड़ आदि लगाने वाले अतिक्रमण करने वाले अपने कार्य को बढ़ावा देते चले आ रहे हैं साथ ही इसका फायदा भी उठा रहे हैं यातायात आदि में भी ट्रांसफार्मर बाधक बने हुए हैं ट्रांसफार्मरों को हटाये जाने की प्रक्रिया को लेकर नगर पालिका परिषद द्वारा एक आस जगी थी जिसका निस्तारण अभी तक नहीं हो सका है खुलै आसमान के नीचे रखें ट्रांसफार्मर जो अनेकों प्रकार की होने वाली समस्याओं को लेकर बढ़ावा दे रहे हैं उन पर अभी तक विभाग द्वारा कोई भी अम्ल नहीं किया जा सका है जिसके चलते यातायात भी अवरूद्ध हो कर रह जाता है व उपरोक्त स्थान से ट्रांसफार्मरों को हटाये जाने की प्रक्रिया को लेकर चालू नहीं किया जा सका है।

समस्तीपुर हलचल

विश्व दिव्यांग दिवस के अवसर पर समस्तीपुर कॉलेज के मैदान में सामाजिक सुरक्षा कोषांग के द्वारा दिव्यांगों को 250 ट्राई साइकिल दी

संवाददाता/जकी अहमद

समस्तीपुर। बिहार के समस्तीपुर में दिव्यांगों के बीच 60 व्हील चेयर, 50 टैब, 15 कान का मशीन तथा 25 मोबाइल का वितरण किया गया। साथ ही मुख्यमंत्री निःशक्तता विवाह योजना तथा अंतरजातीय विवाह योजना के अंतर्गत 22 लाभुकों के बीच एक-एक लाख के बांड का वितरण किया गया। इसमें 1 लाभुक ऐसा था जिसे तीन लाख का बांड प्रदान किया गया। दो लाख निःशक्त विवाह योजना के तहत तथा एक लाख अंतरजातीय विवाह योजना के तहत। साथ ही सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा कोषांग समस्तीपुर के द्वारा यह बताया गया कि वैसे लाभुक जिन्हें आज ट्राई साइकिल या किसी भी प्रकार के सहायक उपकरण यथा व्हील चेयर, वैशाखी, कान का मशीन, चश्मा आदि की आवश्यकता है संबंधित प्रखंडों में या जिला सामाजिक सुरक्षा कोषांग समस्तीपुर में आवेदन अवश्य करें। साथ ही वैसे दिव्यांग जिनका किसी प्रकार से प्रमाण पत्र नहीं बन पाया है उन्हें विकास मित्र के माध्यम से एवं समाचार पत्र के माध्यम से सूचित किया जाएगा तथा सभी प्रखंडों में कैंप लगाए जाएंगे।

डॉ लक्ष्मण यादव हुए सम्मानित

समस्तीपुर। मोहिउद्दीनगर स्थानीय जी एम आर डी कॉलेज मोहनपुर के राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम पदाधिकारी सह जिला नोडल पदाधिकारी (रेड रिबन क्लब) समस्तीपुर डॉ लक्ष्मण यादव को 01 दिसम्बर को विश्व एड्स दिवस के अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री मंगल पाण्डेय द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। पटना के होटल लेमन ट्री में आयोजित कार्यक्रम में रेड रिबन क्लब के नोडल पदाधिकारी के रूप में दरभंगा प्रमंडल की ओर से स्वास्थ्य मंत्री से डॉ यादव ने पुरस्कार प्राप्त किया। राष्ट्रीय एड्स कार्यक्रम के समापन समारोह में विजेताओं को सम्मानित किया गया। प्रमंडल स्तर पर सम्मानित होने पर कॉलेज के प्राचार्य डॉ घनश्याम राय, सभी शिक्षकों, शिक्षकेत्तर कर्मचारियों,स्वयंसेवकों, समाजसेवियों व छात्रों ने बधाई दिया है।

मार्क इंटरनेशनल स्कूल का हुआ भूमिपूजन

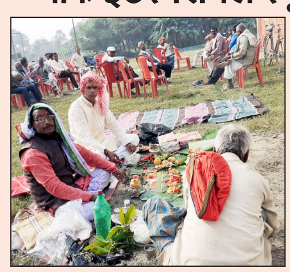

समस्तीपुर। मार्क इंटरनेशनल स्कूल मुगलानी चेक वारिसनगर का भूमि पूजन पूरे विधि विधान से किया गया। इसके संस्थापक पुरुषोत्तम कुमार ने बताया कि वारिसनगर प्रखंड अंतर्गत कोई भी अच्छी स्कूल नहीं होने के कारण इस क्षेत्र के छात्र छात्राओं को काफी तकलीफ उठाना पड़ता है अच्छी शिक्षा के लिए खासकर प्राथमिक शिक्षा की बदौलत ही आप उच्च शिक्षा में मुकाम हासिल कर सकते हैं। इस विद्यालय का मुख्य उद्देश्य बच्चों को ऐसी शिक्षा दी जाए जिससे आगे की पढ़ाई में सहूलियत प्रदान हो, विद्यालय के सभी शिक्षक अनुभवी होंगे। इस अवसर पर रायपुर पंचायत के सरपंच, राज नारायण राय, नरेंद्र राय, तेज नारायण राय, अरुण यादव, सुनीता राय, सुरेंद्र राय, जितेन नारायण सिंह, जितेंद्र कुमार, अशोक पासवान, अजय राम, पुनीत साहनी आदि लोग उपस्थित रहे।

मधुबनी हलचल

ट्रैफिक जाम से शहरवासी परेशान-जिला प्रशासन मौनः नजरे आलम, ट्रैफिक जाम से अविलंब दिलाए छुटकारा

संवाददाता/मो सालिम आजाद

मधुबनी। पूरा दरभंगा जिला ट्र्रैफिक जाम से त्रस्त है। लेकिन पूरा जिला प्रशासन मौन बना बैठा है। ट्र्रैफिक जाम के कारण शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्र पूरी तरह अस्त व्यस्त हो चुका है। दरभंगा में हवाई अड्डा के अंदर गाड़ी पार्किंग नहीं होंने के कारण सड़क पर ही लोग गाड़ी लगाते हैं। जिस कारण और भी लंबा ट्र्रैफिक जाम लगने लगा है। जिला प्रशासन मिडिया के माध्यम से वादा तो करती है के ट्र्रैफिक जाम से जल्द छुटकारा दिलाएंगे लेकिन ट्र्रैफिक समस्या जूं का तूं बना हुआ है। उक्त बातें प्रेस विज्ञपति जारी करते हुए ऑल इंडिया मुस्लिम बेदारी करवां के अध्यक्ष नजरे आलम ने कहा कि पूरे दरभंगा शहरवासी से लेकर गाँव तक के लोग शहर में ट्र्रैफिक व्यवस्था पर सवाल उठा रहे हैं। जाम के कारण एम्बुलेंस में ही मरीज दम तोड़ देते हैं। चौक चौराहा पर डियूटी में लगे पुलिस बल के जवान ट्र्रैफिक जाम छुराने के बदले सिर्फ गाड़ी रोककर पैसा वसूली करने में लगे रहते हैं। उन्होंने दरभंगा जिला प्रशासन से मांग किया है कि दरभंगा में हवाई अड्डा के अंदर गाड़ी पार्किंग की व्यवस्था कराई जाए तथा शहर वासी को ट्र्रैफिक जाम से अविलंब छुटकारा दिलाए अन्यथा हमारा संगठन आन्दोलन को मजबूर होगा।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

पुदीना स्वाद ही नहीं, सेहत के लिए भी है फायदेमंद

पुदीना खाने में स्वादिष्ट होने के साथ सेहत के लिए काफी फायदेमंद होता है। इसमें कई औषधीय गुण पाए जाते हैं जो कई हेल्थ संबधी समस्याओं को ठीक करने में मदद करते हैं। गर्मियों के मौसम में हर घर में इसका इस्तेमाल खट्टी चीजें और चाय बनाने में किया जाता है। खाने के स्वाद को बढ़ाने के साथ यह शरीर में दवाई की तरह काम करता है। आज हम इससे होने वाले फायदों के बारे में बताएंगे, जिसे इस्तेमाल करके आप कई समस्याओं से छुटकारा पर सकते हैं।

1. पेट दर्द से पाए राहत

पुदीना पेट की समस्याओं के लिए काफी फायदेमंद होता है। जब कभी किसी का पेट अच्छी तरह से साफ न हुआ हो और पेट में दर्द हो रहा हो तो पुदीना एक दवाई की तरह काम करता है। इसे इस्तेमाल करने के लिए पुदीने को पीस कर पानी में मिला लें और फिर छान कर पानी को पीएं। इससे आपकी पाचन शक्ति भी बढ़ेगी और पेट दर्द से भी राहत मिलेगी।

2. गर्मी से दिलाए निजात

पुदीने का इस्तेमाल खास कर गर्मियों में गन्ने के रस में, आम का पन्ना बनाने में, भोजन में किया जाता है क्योंकि यह शरीर में गर्मी से राहत दिलाता है। इससे नमी बनी रहती है और यह घबराहट, उल्टी, हैजा जैसी समस्याओं से छुटकारा दिलाता है।

3. मुंह की बदबू करें दूर

कई बार ब्रश करने के बाद भी मुंह में बदबू आती रहती है आप इसे हटाने के लिए पुदीने के पत्तियों को चबा सकते हैं। इसके अलावा आप पुदीने को सूखा कर इसका चूर्ण बना कर भी इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए आप इससे मंजन की तरह दांत साफ कर सकते हैं। ऐसा करने से आपके मसूड़े भी मजबूत होगें।

4. हड्डियों को बनाएं मजबूत

पुदीना हड्डियों को भी मजबूत बनाता है। इसमें मैग्निशियम तत्व पाया जाता है जो हड्डियों के लिए जरूरी होता है।

5. कोलेस्ट्रोल लेवल ठीक रखें

पुदीने में फाइबर भरपूर मात्रा में पाया जाता हैं जो बढ़े हुए कोलेस्ट्रोल लेवल को ठीक करने में मदद करता है।

6. मोटापा घटाने में करें मदद

जो लोग मोटापे से परेशान है वह वजन घटाने के लिए पुदीने का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसमें ऐसे औषधीय गुण पाए जाते हैं जो शरीर में जमा वसा को कम करते हैं और मोटापे से छुटकारा दिलाते हैं।

7. घाव से दिलाएं राहत

पुदीने में एंटी- बैक्टिरियल पाया जाता है जो घाव या चोट को ठीक करने में मदद करता है। जब आपके कभी घाव या चोट लग गई है तो आप पुदीने की पत्तियां मसल कर इसका पेस्ट बना कर घाव वाली जगह पर लगाएं।

8. उल्टी या हिचकी रोकें

अगर आपको कभी उल्टियां लग जाएं तो पुदीने का रस 1-1 चम्मच दिन में दो बार पीएं। हिचकी रोकने के लिए इसकी पत्तियां बहुत असरदार उपाय है।

कहीं आप तो नहीं कर रहें बालों की कंडीशनिंग करते समय यह गलतियां

बालों को लेकर लड़कियां हर समय परेशान रहती हैं कि कहीं उनके झड़ते बाल उनकी पर्सनेलिटी को खराब कर न कर दें। इसी लिए वे अच्छी से अच्छी क्वालिटी का शैंपू और कंडीशनर इस्तेमाल करती हैं। बहुत से लोगों का मानना है कि कंडीशनर बालों को मुलायम, शाइनी बनाने में मदद करता है लेकिन बहुत से लोग इसे लगाने के सही तरीके के बारे में जानते भी नहीं हैं। कंडीशनिंग करते समय जाने-अनजाने की गई गलतियां बालों को खराब भी कर सकती हैं। आइए जानें कहीं आप भी तो नहीं कर रहे ये कंडीशनर को लेकर ये गलतिया।

बालों की जड़ों से कंडीशनिंग करना

कुछ लोग शैंपू करने के बाद बालों की जड़ों से ही कंडीशनिंग भी करने लगते हैं। जिससे कई बार बाल झड़ने लगते हैं। इस बात को जान लें कि जड़ों को कंडीशनर करने की कोई जरूरत नहीं होती। सिर्फ बालों पर ही इसे लगाएं।

शैंपू के बाद कंडीशनर न करना

कंडीशनर बालों को मुलायम बनाने के साथ-साथ बाहरी धूल-मिट्टी से भी बचाव रखता है। बालों पर शैंपू कर रहे हैं तो कंडीशनर न लगाने के गलती न करें। इससे बालों को नुकसान पहुंच सकता है।

जरूरत से ज्यादा न करें इस्तेमाल

हर चीज का इस्तेमाल सही मात्रा में करना बहुत जरूरी है। अगर ज्यादा मात्रा में कंडीशनर लगाया जाए तो इससे बाल शाइनी दिखने की बजाए तैलीय लगने लगते हैं और आप भी फ्रैश फील नहीं करते।

कंडीशनर लगाने में जल्दी करना

कंडीशनर लगाने में जल्दबाजी न करें। सही रिजल्ट पाने के लिए इसे दिए गए निर्देश अनुसार बालों पर लगा रहने दें।

दांत की सर्जरी के बाद न करें इन 2 चीजों का सेवन, पड़ सकता है भारी

कोई भी व्यक्ति जब डेंटल सर्जरी से फिर से ठीक हो रहा होता है, तब अच्छा आहार और पोषण का अत्यंत महत्व होता है। अगर व्यक्ती को पता है, की उसे क्या खाना चाहिए और वह उचित आहार लेता हैं, तो यह जल्दी ठीक होने की गारंटी देता है और अत्यधिक शुष्क गर्तिका और खून के बहने की संभावना को कम कर देता है। मौखिक सर्जरी के उपरांत का समय एक बहुत ही महत्वपूर्ण समय होता है और दंत विशेषज्ञों के पर्यवेक्षण के बिना प्रबंधित नही किया जाना चाहिए। यदि मरीज को कुछ एंटीबायोटिक दवाओं का निर्धारण किया गया है, तो उसे अपने आहार से डेयरी उत्पादों को बाहर करना पड़ सकता है।

वास्तव में, सर्जरी के बाद कुछ दिनों के लिए रोगी को चाय या पानी या नरम खाद्य पदार्थों जैसे पेय पदार्थों को लेना चाहिए।

ये बातें पता होनी चाहिए

डेंटल सर्जरी की अवधि में, एक व्यक्ति को पता होना चाहिए कि उसे क्या खाना चाहिए और अपने आहार में फाइबर और प्रोटीन की पर्याप्त मात्रा शामिल करनी चाहिए। तरल पदार्थ भी आहार का एक प्रमुख हिस्सा होना चाहिए। अच्छे तरल आहार पदार्थों में पौष्टिक फल और सब्जियों के रस, मिल्क शेक, ऊर्जा पेय, त्वरित नाश्ता पेय और फल स्मूदी शामिल हैं। मौखिक सर्जरी के तुरंत बाद, ओटमिल, नरम अंडे, मुलायम फल, अच्छी तरह से पका चावल और दलिया, जैसे पदार्थों को रोगी के आहार में शामिल किया जाना चाहिए। कार्बोनेटेड या वातित पेय, गर्म तरल पदार्थ और मसालेदार भोजन लेने से बचें।

इन खाद्य पदार्थों से परहेज

रोगी उन खाद्य पदार्थों को टालना चाहिए जिससे सर्जरी स्थान पर जलन नहीं हो। कुछ भी जिसे चूसने की जरूरत होती है, उससे सख्ती से बचना चाहिए, क्योंकि इससे मुँह में खून के थक्का बन सकते हैं, जिससे अत्यधिक रक्तस्त्राव हो सकता हैं। हालांकि मांस और डेयरी उत्पाद प्रोटीन और ऊर्जा का एक बहुत अच्छा स्त्रोत होते हैं, उनका परहेज किया जाना चाहिए। इसके बजाय, आप मैश किए हुए आलू, नरम पनीर और टोफू खा सकते हैं।

क्या खा सकते हैं

डेंटल सर्जरी के बाद कैन्ड मछली, गरम पानी में पकी मछली, ह्युम्मस, मांस लोफ्स, मसला हुआ चितकबरा सेम और कटा हुआ मांस जैसे खाद्य पदार्थों को आहार में शामिल कर सकते है क्योंकि उनको ज्यादा चबाने की आवश्यकता नहीं होती है। मूंगफली का मक्खन, बीज, और अखरोट के तेल की भी सिफारिश की जाती हैं। पुडिंग, दही, कस्टर्ड, वनस्पति शोरबा, आइसक्रीम, ऐपल्सॉस, क्रीमी सूप, और मैश किए हुए आलू सर्जरी स्थान के लिए बेहतर होते हैं।

डेंटल सर्जरी

डेंटल सर्जरी के बाद क्या खाना चाहिए यह एक महत्वपूर्ण प्रश्न है, जो हर रोगी को संबोधित किया जाना चाहिए। चिकित्सा और फामेर्सी के क्षेत्र में नए-नए रिसर्च ने सर्जरी की पद्धतियां और प्रक्रियाओं को रोगियों के लिए कम पीड़ादायक और अधिक सहनशील बना दिया हैं। क्योंकि जब रोगी घर लौटता है उस पर दवा का प्रभाव होता है, इसलिए उसे यह सुनिश्चित करना चाहिए कि वह निर्धारित दर्द निवारक दवा नियमित लेना और डॉक्टर के अनुमोदन के बिना कुछ नहीं खाना चाहिए।

दांतों की देखभाल कैसे करें

ब्रश करने के लिए कोई मानक समय नहीं है। लेकिन ऐसी सलाह दी जाती है कि कम से कम दो मिनट तक ब्रश करें जिससे मुंह के अंदर की सतह से प्लेक के बैक्टीरिया निकल जायें। इससे दांतों की क्षति से भी बचाव हो सकेगा। अगर 6 महीनों तक ब्रश करने के बाद भी आपका ब्रश खराब नहीं हुआ है, तब भी नया ब्रश खरीदने में देरी ना करें। टूथब्रश अलग-अलग आकार, लम्बाई और गुणवत्ता के आते हैं। लेकिन डेंटिस्ट्स का ऐसा मानना है कि सही टूथब्रश की लम्बाई 25.5 से 31.9 मिलीमीटर होनी चाहिए और चौडाई 7.8 से 9.5 मिलीमीटर होनी चाहिए। अगर आपके दांतों पर काले-भूरे धब्बे नजर रहे हैं, खाना दांतों में फंसने लगा है, ठंडा-गरम लग रहा है या मसूड़ों से पस आ रहा है, तो डेंटिस्ट.से मिलने में देरी ना करें। निश्चित समयांतराल पर दंत चिकित्सक से मिलें।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

जब सारा ने करीना को कहा था 'आंटी'

सारा अली खान की करीना कपूर से काफी अच्छी बॉन्डिंग है। करीना भले ही सारा के पिता सैफ की दूसरी पत्नी हैं, लेकिन फिर भी दोनों एक्ट्रेसेस के बीच अच्छा रिश्ता है। दोनों एक-दूसरे को बहुत सपोर्ट करते हैं और अक्सर शो या इवेंट्स में एक-दूसरे की तारीफ करते हैं। बता दें कि सारा ने एक शो में बताया था कि वह करीना को क्या कहकर बुलाती हैं। दरअसल, कॉफी विद करण शो में करण ने सारा से पूछा था कि क्या सैफ ने कभी उन्हें कहा कि करीना को छोटी मां बोलो? सारा इस पर जवाब देती हैं कि अगर वह करीना को छोटी मां कहेंगी तो एक्ट्रेस को नर्वस ब्रेकडाउन हो जाएगा। सारा आगे कहती हैं कि शुरू में उन्हें समझ नहीं आता था कि वह करीना को क्या कहकर बुलाएं। मैं सोचती थी कि उनको क्या कहूंगी करीना या आंटी। लेकिन मेरे पिता बोले कि तुम करीना को आंटी तो कभी मत बोलना। इसके बाद सारा कहती हैं कि वह अब करीना को 'के' या 'करीना' ही कहती हैं। सारा ने आगे बताया था कि मेरा और करीना का रिलेशन कभी कन्फ्यूजिंग नहीं रहा है। उन्होंने मुझसे कहा था कि देखो तुम्हारी मां बहुत अच्छी हैं। मैं चाहती हूं कि हम दोस्त रहें।

जॉन अब्राहम को पेटा ने किया सम्मानित

बॉलीवुड एक्टर जॉन अब्राहम को एक सम्मान मिला है जिससे फैंस काफी ज्यादा खुश हैं। जॉन को 'पीपुल फॉर द एथिकल ट्रीटमेंट ऑफ एनिमल्स' (पेटा) द्वारा 2020 का पर्सन ऑफ द ईयर से सम्मानित किया गया है। जॉश्र अब्राहम ने साल 2020 में ई-रिटेलर 'क्विकर' से आग्रह किया था कि वह जीवित जानवरों का व्यापार करना बंद कर दे। इसके अलावा जॉन अब्राहम ने कई और काम किए थे जो कि चर्चा में रहे थे। उन्होने सर्कस में इस्तेमाल किए जाने वाले जानवर मुंबई में नाचने वालों बंदरों आदि को लेकर पेटा के साथ आवाज बुलंद की थी और ये सब बंद करने की मांग की थी। इसके अलावा विज्ञापन-अभियान के द्वारा उन्होने पक्षियों को पिंजरे में ना रखने और रखे हुए पंक्षियों को आजाद करने का अनुराध लोगों से किया था। पेटा इंडिया के सेलिब्रिटी और पब्लिक रिलेशंस के पेटा निदेशक सचिन बंगेरा ने कहा, जॉन अब्राहम शुरूआत से ही पेटा इंडिया के तहत जानवरों के लिए आवाज उठाते रहे हैं। अगर पक्षी पिंजरों में पीड़ित हैं, पिल्लों को क्रूरता से बेचा जा रहा है, या दुनिया में कहीं भी जानवर खतरे में हैं, तो हम उन्हें बचाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

फिर चर्चा में हैं शमिता

बॉलीवुड में किस्मत और मेहनत का खेल साथ साथ चलता है। कई ऐसे उदाहरण भी देखने को मिलते हैं कि बड़ा ब्रेक, बड़ी फिल्में मिलने के बाद भी कोई कलाकार उस लेवल पर नहीं पहुंच पाता जहां उसके दोस्त यार या यू कहें उसके अपने पहुंच जाते हैं। अब शमिता शेट्टी को ही ले लीजिए, उनकी बड़ी बहन यानी शिल्पा ने बॉलीवुड में बड़ा मुकाम हासिल किया। बड़े एक्टर्स के साथ काम करने के अलावा शिल्पा के नाम कई अच्छी फिल्में, डांस नंबर हैं, उनके बाद परिवार से इस फिल्म इंडस्ट्री में आईं शमिता शेट्टी। शमिता को ब्रेक भी बड़ा मिला, पहली फिल्म मोहब्बतें में उन्होंने शाहरुख खान के साथ काम किया लेकिन फिर उनका करियर उस मुकाम पर नहीं पहुंच सका। पहली फिल्म के लिए शमिता को अवॉर्ड भी मिला था। अब शमिता शेट्टी एक बार फिर चर्चा में हैं। चर्चा उनके डिजिटल काम को लेकर हो रही है। वे जल्द ही ब्लैक विडोज में नजर आने वाली हैं। ये एक वेबसीरीज है जो कि जी5 पर आने वाली है।